



भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)
फोन / Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स / Fax : 0121-288 8546
मोबाईल / Mobile : 91-9436731850; ईमेल / Email: directoriifsr@yahoo.com

दिनांक– 22.08.2017

प्रेस विज्ञप्ति

“कृषि प्रणाली उपागम द्वारा कृषि उद्यमिता के विकास” पर आठ दिवसीय माडल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में दिनांक 22–29 अगस्त, 2017 तक “कृषि प्रणाली उपागम द्वारा कृषि उद्यमिता विकास” विषय पर चलने वाले आठ दिवसीय माडल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान मेरठ के प्रभारी निदेशक डा. ब्रह्म प्रकाश कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कृषि में उद्यमिता विकास को नितांत आवश्यक बताया तथा किसानों की आय बढ़ाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कृषि उद्यमिता के विकास में इस माडल प्रशिक्षण कार्यक्रम को अति उपयोगी बताया जिसके द्वारा कृषि में उद्यमिता विकास को अधिकारियों के माध्यम से अन्य कृषि अधिकारियों तथा फिर किसानों तक पहुँचाया जा सकता है। श्री भरत भूषण त्यागी जोकि जाने–माने अग्रणी किसान है और उन्होंने जैविक कृषि को एक सफल उद्यम बनाकर कईयों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये हैं, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहे। श्री त्यागी जी ने कृषि के रोजगार परक न होने तथा कृषि के प्रति युवाओं के घटते रुझान पर चिंता जताई तथा इन समस्याओं के निदान हेतु कृषि में उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण को अति आवश्यक बताया। कृषि प्रणाली संस्थान के प्रभारी निदेशक डा. एम.पी. सिंह ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कृषि में उद्यमिता विकास की आवश्यकता व संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कृषि व संबंधित व्यवसायों जैसे भूमि सुधार, सिंचाई, नकदी फसलों की उन्नत खेती, बीज उत्पादन, खाद एवं उर्वरक

उत्पादन, फलोत्पादन, मछलीपालन, मुर्गीपालन, कृषि वानिकी, मधुमक्खीपालन, कृषि प्रसंस्करण उद्योगों, मशरूम उत्पादन व पशुपालन इत्यादि में उद्यमिता विकास के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने व रोजगार सृजन की अपार संभावनाओं को विस्तार से बताया। डा. प्रेम सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्थान द्वारा देश के विभिन्न शोध केन्द्रों के माध्यम से किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली माडल के विकास के बारे में बताया। कार्यक्रम निदेशक डा. पीयूष पुनिया ने प्रशिक्षण के दौरान दिये जाने वाले व्याख्यानों व प्रयोगों के बारे में संक्षेप में बताया। इस आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के सात राज्यों से राज्य व केन्द्र सरकार के 22 कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विस्तार निदेशालय, कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रयोजित है। इस दौरान कृषि के जाने-माने विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कृषि व संबंधित व्यवसायों में उद्यमिता विकास पर व्याख्यान व प्रयोग करवाये जायेंगे। कार्यक्रम का संचालन डा. पूनम कश्यप ने किया। डा. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन श्री भरत भूषण त्यागी जी ने जैविक कृषि द्वारा उद्यमिता विकास विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि रसायनिक कृषि में जब लागत और लाभ का विश्लेषण किया तो उसमें खर्च अधिक और लाभ कम पाया। लागत कम करने हेतु 1997 से खेती में जैविक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा दिया। फसलों के पोषण प्रबंधन हेतु जैविक खादों व जैव विविधता द्वारा नाशीजीव प्रबंधन का विकल्प अपनाया। प्राकृतिक तंत्र में जैव विविधता ही उत्पादन का आधार है, इसलिए कृषि परिस्थितिकी में जैव विविधता बनाये रखते हुए ही मृदा की उर्वरता व उत्पादकता को बरकरार रखा जा सकता है। इसलिए फसलों की अत्यधिक जैव विविधता द्वारा किसानों की आय के साथ-साथ मृदा उत्पादकता को भी बढ़ाया जा सकता है। बहुमंजिला खेती व फसलों के समय प्रबंधन द्वारा उत्पादकता और लाभ को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। जैविक खेती से एक एकड़ से रुपये चार लाख प्रति वर्ष की आय संभव है।



